SUBHASH CHANDRA PLANS NEW PROJECT

Subhash Chandra was the real Mccoy of Indian broadcasting and one of the earliest. It will be interesting to see his new venture unfold in the media ecosystem

Subhash Chandra, a leading doyen of the Indian broadcasting industry has settled over 91% of the debt settled to 43 lenders and the remaining dues are in the process of being paid.

Sharing the key points pertaining to the debt resolution, Dr. Chandra said, "I am happy to report that we have come out of the financial stress situation by settling 91.2% of our total debt to 43 lenders in 110 accounts. 88.3% amount has been paid, while the remaining 2.9% is in the process of being paid. We are making all the required efforts to settle the remaining 8.8% of our total debt. I have no regrets for parting with a substantial ownership in the business and specially in the 'jewels of the crown'. This was done to keep the family's honour."

SUBHASH CHANDRA

Dr. Chandra further elaborated on his earnest desire to settle the remaining outstanding dues before the end of this fiscal year or before. He also emphasized on the fact that he does not regret the decision taken to part with a substantial portion of his ownership in his key businesses, attributing this decision taken to preserve the honour of his family. He reiterated the exit from the Infrastructure, Financial services & Print Media businesses.

Dr. Chandra shared his next steps in terms of setting up a venture in the video space in the digital ecosystem. Chandra shared, "I have earned a fair experience in the video business; hence I am exploring new ways / business opportunities in the "video in digital space" as well as AI/ML (Artificial Intelligence & Machine Learning) in the video space, without getting into any conflicts with ZEEL, in any manner. I will provide the specifics very soon and you all will witness the initial phase of launch, of a yet another pioneering venture." ■

नयी परियोजना की योजना बनायी सुभाष चंद्रा ने

श्री सुभाष चंद्रा भारतीय प्रसारण के असली और सबसे शुरूआती दिनों के महारथी थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि उनका नया उद्यम मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र में कैसे आगे बढ़ेगा।

भारतीय प्रसारण उद्योग के प्रमुख नेता सुभाष चंद्रा ने **43** उधारदाताओं के **91** प्रतिशत से अधिक ऋण का भुगतान कर लिया है और शेष बकाया भुगतान की प्रक्रिया में है।

ऋण समाधान से संबंधित प्रमुख बिंदुओं को साझा करते हुए डॉ.चंद्रा ने कहा 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम **110** खातों **43** उधारदाताओं को अपने कुल ऋण का **91.2%** निपटान करके वित्तीय तनाव की स्थिति से बाहर आ गये हैं। **88.3** प्रतिशत राशि का भुगतान किया जा चुका है जबकि शेष **2.9** प्रतिशत भुगतान की प्रक्रिया में है। हम अपने कुल कर्ज के शेष **8.8%** निपटान के लिए सभी आवश्यक प्रयास कर रहे हैं। मुझे व्यवसाय में विशेष रूप से 'ताज के गहनों' में पर्याप्त स्वामित्व के साथ अलग होने का कोई पछतावा नहीं है। ऐसा परिवार की इज्जत बचाने के लिए किया गया था।'

डॉ. चंद्रा ने चालू वित्तीय वर्ष के अंत से पहले या उससे पहले शेष बकाया राशि का निपटान करने की अपनी गंभीर इच्छा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि उन्हें अपने परिवार के सम्मान को बनाये रखने के लिए उठाये गये अपने निर्णय पर कोई पछतावा नहीं है, जिसके चलते उन्हें अपने प्रमुख व्यवसाय के बड़े हिस्से के स्वामित्व से अलग होना पड़ा। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय सेवाओं और प्रिंट व्यवसायों से बाहर निकलने की बात को फिर से दोहराया।

डॉ.चंद्रा ने डिजिटल इकोसिस्टम में वीडियो खंड में एक उद्यम स्थापित करने के संदर्भ में अपने अगले कदम को साझा किया। श्री चंद्रा ने बताया कि "मैंने वीडियो व्यवसाय में अच्छा अनुभव अर्जित किया है, इसलिए मैं 'डिजिटल स्पेस में वीडियो' के साथ-साथ एआई/एमएल (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग) में वीडियो स्पेस में नये तरीके/व्यवसायिक अवसरों की खोज कर रहा हूं, और वह भी जेडईई एल के साथ किसी भी तरह के टकराव के बिना। मैं बहुत जल्दी इसके बारे में विस्तार से बताऊंगा और आप सभी एक और अग्रणी उद्यम के लॉन्च के शुरूआती चरण को देखेंगे। ■